Chapter - 3

Assist Customers with Bank Application Process

On completion of the chapter, would be able to understand:-

- Process of account opening
- Application form and documentation
- List of documents required for KYC and their relevance
- Proof of income documents, age document, identity proof documents
- Demonstrate filling an Account Opening Form
- Area of critical importance while filling of application form and documentation

The banks are intermediaries that accept deposits from the public and lend to the people for productive purposes. Deposits are accepted in savings bank accounts, current accounts and term deposits accounts. And for lending the funds, loan accounts, overdraft accounts and cash credit accounts are opened.

We know that banks are commercial entities and public deposits are the prime source of funds for onward lending to earn profits for survival and to sustain growth. Therefore acquisition of customers and retaining them is a continuous process. However in a bank, proper customer identification and customer acceptance policy must be in place to avoid risk involved in the process and also to comply with the regulatory norms.

अध्याय पूरा होने पर समझ सकेंगे:-

- खाता खोलने की प्रक्रिया
- आवेदन पत्र और दस्तावेज़ीकरण
- केवाईसी के लिए आवश्यक दस्तावेजों की सूची और उनकी प्रासंगिकता
- आय प्रमाण दस्तावेज़, आयु दस्तावेज़, पहचान प्रमाण दस्तावेज़
- खाता खोलने का फॉर्म भरने का प्रदर्शन करें
- आवेदन पत्र और दस्तावेज भरते समय महत्वपूर्ण महत्व का क्षेत्र

बैंक मध्यस्थ हैं जो जनता से जमा स्वीकार करते हैं और उत्पादक उद्देश्यों के लिए लोगों को ऋण देते हैं। बचत बैंक खातों, चालू खातों और सावधि जमा खातों में जमा स्वीकार किए जाते हैं। और धन उधार देने के लिए ऋण खाते, ओवरड्राफ्ट खाते और कैश क्रेडिट खाते खोले जाते हैं।

हम जानते हैं कि बैंक वाणिज्यिक संस्थाएं हैं और जीवित रहने और विकास को बनाए रखने के लिए मुनाफा कमाने के लिए सार्वजनिक जमा राशि आगे के ऋण देने के लिए धन का प्रमुख स्रोत है। इसलिए ग्राहकों का अधिग्रहण और उन्हें बनाए रखना एक सतत प्रक्रिया है। हालाँकि, किसी बैंक में, प्रक्रिया में शामिल जोखिम से बचने और नियामक मानदंडों का अनुपालन करने के लिए उचित ग्राहक पहचान और ग्राहक स्वीकृति नीति होनी चाहिए।

Process of account opening:

There are broadly two modes of opening a bank account

1. Offline

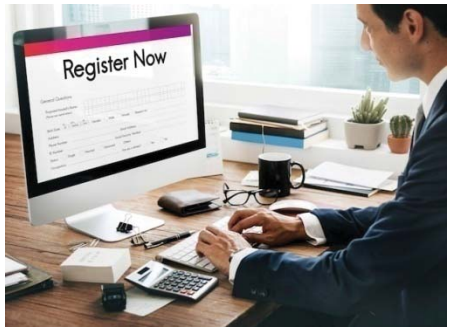

2. Online

A person should first determine the kind of bank account he/she is willing to open, like:

a. Savings

b. Current, or

c. Fixed deposit account.

Documents like address proof, identity proof, age proof, income/employment proof are generally required for opening an account.

खाता खोलने की प्रक्रिया:

बैंक खाता खोलने के मोटे तौर पर दो तरीके हैं

1. ऑफ़लाइन

2. ऑनलाइन.

किसी व्यक्ति को सबसे पहले यह निर्धारित करना चाहिए कि वह किस प्रकार का बैंक खाता खोलना चाहता है, जैसे:

a. जमा पूँजी

b. वर्तमान, या

c. सावधि जमा खाता

खाता खोलने के लिए आम तौर पर पते का प्रमाण, पहचान प्रमाण, आयु प्रमाण, आय/रोजगार प्रमाण जैसे दस्तावेजों की आवश्यकता होती है।

Offline Mode:

One can go to a nearby branch and request to open a new bank account.

Visit the bank branch to open an account:

The easiest way to open a bank account is by visiting a branch and completing the required procedure. Below are the steps you can follow:

Step 1: First of all, a decision about the type of bank account you wish to open must be taken.

Step 2: Once you have made a decision, the next step is to approach a convenient bank, based on your preferences, accessibility, benefits, and so on.

Step 3: Then, you will be required to fill in a 'Bank Account Opening Form'. Necessary details regarding name, address, occupation, and other details must be carefully filled in. If a joint account has to be opened, the form must be signed jointly.

Step 4: Generally, (it is not mandatory) a bank requires references from existing account holders. The introducer will be required to sign the column meant for this purpose.

Step 5: Now, you can submit the form along with the necessary documents to the bank.

Step 6: The bank officer will verify the filled form and documents and then give his/her approval to open an account.

Once request is approved, the account is processed and opened in the system. Initial funding is done to activate the account and cheque book, debit card and passbook is issued to the customer.

Now almost all banks switched on Core Banking Solution (CBS) or Centralised Banking Solutions. The process under which the information of a customer's account (i.e. financial dealings, profession, income, family members etc.) is stored in Central server of the Bank (that is available to all the networked branches) instead of the branch server. Means anywhere anytime banking facility is available on the CBS platform.

Generally banks provide account opening kits containing account number, cheque book and debit card on completion of formalities like filing in the account opening form and obtaining KYC documents. The account opening team processes the form for approval and account is activated in the system. Now the customer can do transactions. Now it has become common to use TABs for faster processing of account opening wherein required information are filled in electronic form instead of filling in physical form. Scan copy of the officially valid KYC documents like Aadhar Card, PAN Card are stored in and instant photo of the applicant is taken in the TAB which is forwarded to the account opening team for processing and activation of the account.

ऑफ़लाइन मोड:

कोई भी नजदीकी शाखा में जा सकता है और नया बैंक खाता खोलने का अनुरोध कर सकता है।

खाता खोलने के लिए बैंक शाखा पर जाएँ:

बैंक खाता खोलने का सबसे आसान तरीका किसी शाखा में जाकर आवश्यक प्रक्रिया पूरी करना है। नीचे वे चरण दिए गए हैं जिनका आप अनुसरण कर सकते हैं:

चरण 1: सबसे पहले, आप किस प्रकार का बैंक खाता खोलना चाहते हैं, इसके बारे में निर्णय लेना होगा।

चरण 2: एक बार जब आप निर्णय ले लेते हैं, तो अगला कदम आपकी प्राथमिकताओं, पहुँच, लाभ आदि के आधार पर एक सुविधाजनक बैंक से संपर्क करना होता है।

चरण 3: फिर, आपको एक 'बैंक खाता खोलने का फॉर्म' भरना होगा। नाम, पता, व्यवसाय और अन्य विवरणों से संबंधित आवश्यक विवरण सावधानीपूर्वक भरे जाने चाहिए। यदि संयुक्त खाता खोलना है, तो फॉर्म पर संयुक्त रूप से हस्ताक्षर करना होगा।

चरण 4: आम तौर पर, (यह अनिवार्य नहीं है) किसी बैंक को मौजूदा खाताधारकों से संदर्भ की आवश्यकता होती है। परिचयकर्ता को इस प्रयोजन के लिए बने कॉलम पर हस्ताक्षर करना होगा।

चरण 5: अब, आप आवश्यक दस्तावेजों के साथ बैंक में फॉर्म जमा कर सकते हैं।

चरण 6: बैंक अधिकारी भरे हुए फॉर्म और दस्तावेजों का सत्यापन करेगा और फिर खाता खोलने के लिए अपनी मंजूरी देगा।

एक बार अनुरोध स्वीकृत हो जाने पर, खाता संसाधित किया जाता है और सिस्टम में खोला जाता है। खाते को सक्रिय करने के लिए प्रारंभिक फंडिंग की जाती है और ग्राहक को चेक बुक, डेबिट कार्ड और पासबुक जारी की जाती है।

अब लगभग सभी बैंकों ने कोर बैंकिंग सॉल्यूशन (सीबीएस) या सेंट्रलाइज्ड बैंकिंग सॉल्यूशंस पर स्विच कर दिया है। वह प्रक्रिया जिसके तहत ग्राहक के खाते की जानकारी (जैसे वित्तीय लेनदेन, पेशा, आय, परिवार के सदस्य आदि) शाखा सर्वर के बजाय बैंक के केंद्रीय सर्वर (जो सभी नेटवर्क शाखाओं के लिए उपलब्ध है) में संग्रहीत की जाती है। यानी सीबीएस प्लेटफॉर्म पर कहीं भी, कभी भी बैंकिंग सुविधा उपलब्ध है।

आम तौर पर बैंक खाता खोलने का फॉर्म भरने और केवाईसी दस्तावेज प्राप्त करने जैसी औपचारिकताएं पूरी करने पर खाता खोलने की किट प्रदान करते हैं जिसमें खाता संख्या, चेक बुक और डेबिट कार्ड होता है। खाता खोलने वाली टीम अनुमोदन के लिए फॉर्म की प्रक्रिया करती है और खाता सिस्टम में सक्रिय हो जाता है। अब ग्राहक लेनदेन कर सकते हैं. अब खाता खोलने की तेज़ प्रक्रिया के लिए TAB का उपयोग करना आम हो गया है जिसमें आवश्यक जानकारी भौतिक रूप में भरने के बजाय इलेक्ट्रॉनिक रूप में भरी जाती है। आधार कार्ड, पैन कार्ड जैसे आधिकारिक रूप से वैध केवाईसी दस्तावेजों की स्कैन कॉपी संग्रहीत की जाती है और आवेदक की तत्काल फोटो टीएबी में ली जाती है जिसे खाते के प्रसंस्करण और सक्रियण के लिए खाता खोलने वाली टीम को भेज दिया जाता है।

Opening a bank account online:

The option to open a bank account online can provide a hassle-free and paperless banking experience without visiting the bank branch, especially during the Covid-19 pandemic.

Step 1: Visit the official website of the bank in which you wish to open an account.

Step 2: Fill in the application form online along with a digital copy of address proof, identity proof, age proof, income/employment proof, and photographs.

Step 3: As soon as your details are verified by the bank's back-end team, you will be able to start using your account.

Annexure – I Application Form- Au SFB – Account opening form for Sole Proprietorship firm/HUF

Annexure – II Application Form Au SFB – Account opening form for an NRI

Annexure – III Application Form Au FB – Account opening form for an Individual

ऑनलाइन बैंक खाता खोलना:

ऑनलाइन बैंक खाता खोलने का विकल्प, विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के दौरान, बैंक शाखा में आए बिना परेशानी मुक्त और कागज रहित बैंकिंग अनुभव प्रदान कर सकता है।

चरण 1: उस बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं जिसमें आप खाता खोलना चाहते हैं।

चरण 2: पते के प्रमाण, पहचान प्रमाण, आयु प्रमाण, आय/रोज़गार प्रमाण और तस्वीरों की डिजिटल प्रति के साथ आवेदन पत्र ऑनलाइन भरें।

चरण 3: जैसे ही आपका विवरण बैंक की बैक-एंड टीम द्वारा सत्यापित किया जाएगा, आप अपने खाते का उपयोग शुरू कर पाएंगे।

अनुलग्नक-। आवेदन पत्र- एयू एसएफबी - एसएलई प्रोप्राइटरशिप फर्म / एचयूएफ के लिए खाता खोलने का फॉर्म

अनुलग्नक - ॥ आवेदन पत्र एयू एसएफबी - एनआरआई के लिए खाता खोलने का फॉर्म

अनुलग्नक - ॥। आवेदन पत्र एयू एफबी - किसी व्यक्ति के लिए खाता खोलने का फॉर्म

Requirement of KYC documents and their relevance:

"KYC full form is Know Your Customer"

KYC means "Know Your Customer". KYC is a set of documents which are required to establish the identity of a person. Generally an Identity Proof with photograph and an Address Proof are the two basic mandatory KYC documents that are required to establish one's identity at the time of opening of a bank account, fixed deposit, mutual fund, insurance, etc. Financial institutions may also require you to furnish Income Proof before opening a bank account, issuing a credit card or issuing an insurance policy.

KYC Document List

- Photo Identity Proof
- Address Proof

Nowadays, your Aadhaar Card should be enough for both Identity Proof and Address Proof, but you may still find institutions insisting and a separate ID Proof and Address Proof along with your Aadhaar Card.

Why are KYC documents required?

KYC documents along with the customer's photograph have been made mandatory only in the recent past where fraudulent transactions, fraud accounts and money laundering had become prevalent. Thus, the banks, other financial institutions, telecom companies and some government departments require these documents to establish the correct identity of a person before proceeding with any transaction. The income proof is needed to ensure that the source or money is clean.

Identity Proof – List of OVDs

- Aadhaar Card
- Passport
- PAN Card
- Voter's Identity Card
- Driving License
- Photo identity proof of Central or State government
- Ration card with photograph
- Letter from a recognized public authority or public servant
- Bank Pass Book bearing photograph
- Employee identity card of a listed company or public sector company
- Identity card of University or board of education like ISC, CBSE, etc.

Address Proof - Document List

- Passport
- Voter's Identity Card
- Driving License
- Electricity Bill, Telephone bill including mobile, landline, wireless, etc type of connections, not more than 6 months old
- Bank Account Statement
- Consumer Gas connection card or Gas Bill
- Letter from any recognized public authority or public servant
- Credit Card Statement
- House Purchase deed
- Lease agreement along with last 3 months rent receipt

- Employer’s certificate for residence proof

Income Proof - Document List

- Income Tax Returns
- Salary Slips
- Bank Statement

केवाईसी दस्तावेजों की आवश्यकता और उनकी प्रासंगिकता:

केवाईसी का मतलब है "अपने ग्राहक को जानें"। केवाईसी दस्तावेजों का एक सेट है जो किसी व्यक्ति की पहचान स्थापित करने के लिए आवश्यक है। आम तौर पर फोटोग्राफ के साथ एक पहचान प्रमाण और एक पता प्रमाण दो बुनियादी अनिवार्य केवाईसी दस्तावेज हैं जो बैंक खाता, सावधि जमा, म्यूचुअल फंड, बीमा आदि खोलने के समय किसी की पहचान स्थापित करने के लिए आवश्यक होते हैं। वित्तीय संस्थानों को भी आपकी आवश्यकता हो सकती है बैंक खाता खोलने, क्रेडिट कार्ड जारी करने या बीमा पॉलिसी जारी करने से पहले आय प्रमाण प्रस्तुत करना |

“केवाईसी का फुल फॉर्म नो योर कस्टमर है अर्थात अपने ग्राहक को जाने” होता है।

केवाईसी दस्तावेज़ सूची

- फोटो पहचान प्रमाण
- निवास प्रमाण पत्र

आजकल, आपका आधार कार्ड पहचान प्रमाण और पता प्रमाण दोनों के लिए पर्याप्त होना चाहिए, लेकिन आपको अभी भी संस्थान इस बात पर जोर दे सकते हैं कि आपके आधार कार्ड के साथ एक अलग आईडी प्रमाण और पता प्रमाण भी हो।

केवाईसी दस्तावेज़ क्यों आवश्यक हैं?

ग्राहक की तस्वीर के साथ केवाईसी दस्तावेज़ हाल ही में अनिवार्य किए गए हैं, जहाँ धोखाधड़ी वाले लेनदेन, धोखाधड़ी वाले खाते और मनी लॉन्ड्रिंग प्रचलित हो गए थे। इस प्रकार, बैंकों, अन्य वित्तीय संस्थानों, दूरसंचार कंपनियों और कुछ सरकारी विभागों को किसी भी लेनदेन के साथ आगे बढ़ने से पहले किसी व्यक्ति की सही पहचान स्थापित करने के लिए इन दस्तावेजों की आवश्यकता होती है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि आय का स्रोत या आय सही है, आय प्रमाण की आवश्यकता है।

पहचान प्रमाण - ओवीडी की सूची

- आधार कार्ड
- पासपोर्ट
- पैन कार्ड
- मतदाता पहचान पत्र
- ड्राइविंग लाइसेंस
- केंद्र या राज्य सरकार का फोटो पहचान प्रमाण
- फोटोयुक्त राशन कार्ड
- किसी मान्यता प्राप्त सार्वजनिक प्राधिकारी या लोक सेवक का पत्र
- फोटोयुक्त बैंक पास बुक
- किसी सूचीबद्ध कंपनी या सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी का कर्मचारी पहचान पत्र

- विश्वविद्यालय या शिक्षा बोर्ड जैसे आईएससी, सीबीएसई आदि का पहचान पत्र।

पता प्रमाण - दस्तावेज़ सूची

- पासपोर्ट
- मतदाता पहचान पत्र
- ड्राइविंग लाइसेंस
- बिजली बिल, टेलीफोन बिल जिसमें मोबाइल, लैंडलाइन, वायरलेस आदि प्रकार के कनेक्शन शामिल हैं, 6 महीने से अधिक पुराने नहीं
- बैंक खाता विवरण
- उपभोक्ता गैस कनेक्शन कार्ड या गैस बिल
- किसी मान्यता प्राप्त सार्वजनिक प्राधिकारी या लोक सेवक का पत्र
- क्रेडिट कार्ड का विवरण
- मकान खरीद विलेख
- पिछले 3 महीने के किराए की रसीद के साथ लीज एग्रीमेंट
- निवास प्रमाण के लिए नियोक्ता का प्रमाण पत्र

आय प्रमाण - दस्तावेज़ सूची

- आयकर रिटर्न
- वेतन पर्ची
- बैंक स्टेटमेंट

Retail Banking - Liability Products

Retail liability products are the source of funds for the banks. The banks acceptdeposits from the public in various forms like savings bank deposit in savings bank accounts, current deposit in current deposit accounts and fixed deposits in term / fixed deposit accounts.

In the present competitive era, banks offer deposit products customized as per needs of different types of customers. We will discuss herein basic liability / deposit products and their variants generally offered by the banks. These are:

1. Current Deposit Account
2. Savings Bank Account

Deposit in above two types of account is payable on demand by cheque or otherwise hence termed as Demand deposit. Further being current account and savings account deposit, it is also known as CASA deposit. CASA is an important source of funds for the banks because it is no cost / lost cost deposits. Please note that Interest is not payable on current deposits while low interest is paid on savings bank deposit.

3. Term / Fixed Deposit Account

Entire deposit received in savings bank accounts, current accounts and fixed / term deposit accounts is liability for banks and repayable on demand or otherwise i.e. after a time / period. Therefore in short it is termed as “DTL” i.e. Demand and Time Liability.

विभिन्न प्रकार की जमाराशियों के बीच अंतर करें:

खुदरा बैंकिंग - देयता उत्पाद

खुदरा देयता उत्पाद बैंकों के लिए धन का स्रोत हैं। बैंक जनता से विभिन्न रूपों में जमा स्वीकार करते हैं जैसे बचत बैंक खातों में बचत बैंक जमा, चालू जमा खातों में चालू जमा और सावधि जमा खातों में सावधि जमा।

वर्तमान प्रतिस्पर्धी युग में, बैंक विभिन्न प्रकार के ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुसार अनुकूलित जमा उत्पाद पेश करते हैं। हम यहाँ आम तौर पर बैंकों द्वारा पेश किए जाने वाले बुनियादी दायित्व/जमा उत्पादों और उनके प्रकारों पर चर्चा करेंगे। ये हैं:

1. चालू जमा खाता
2. बचत बैंक खाता

उपरोक्त दो प्रकार के खातों में जमा राशि माँग पर चेक द्वारा या अन्यथा देय होती है, इसलिए इसे माँग जमा कहा जाता है। इसके अलावा चालू खाता और बचत खाता जमा होने के कारण, इसे CASA जमा के रूप में भी जाना जाता है। CASA बैंकों के लिए धन का एक महत्वपूर्ण स्रोत है क्योंकि यह बिना लागत/खोई लागत वाली जमा राशि है। कृपया ध्यान दें कि चालू जमा पर ब्याज देय नहीं है जबकि बचत बैंक जमा पर कम ब्याज दिया जाता है।

3. अर्थात सावधि जमा खाता

बचत बैंक खातों, चालू खातों और सावधि जमा खातों में प्राप्त संपूर्ण जमा बैंकों के लिए दायित्व है और माँग पर या अन्यथा यानी एक समय/अवधि के बाद चुकाया जाना है। इसलिए संक्षेप में इसे "डीटीएल" यानी डिमांड एंड टाइम लायबिलिटी कहा जाता है।

Savings Bank Deposit Account:

1. Purpose for opening of savings bank account is to deposit or collect money for limited transactions.
2. Can withdraw money by cheque or otherwise and also make basic payments like utility bills, Insurance premiums and non business payments.
3. Earn interest on the daily balances payable (Credited) quarterly or shorter period (RBI directions).

Types of Savings Bank Deposit Account:-

1. Regular savings bank deposit account:

On providing proper KYC documents, banks process request of the customers for opening regular savings bank account with an initial deposit. A certain minimum or average balance is required to be maintained by the customers.

The banks are providing different variants of regular savings bank account to the customers customised as per their needs. Facilities like cash deposits, net banking, anywhere banking and

other services are provided as per product variant. We can understand these variant through AU Bank's savings bank variants. More:

Basic Savings Bank Deposit Account: (BSBDA).

People from the low income group / weaker sections of the society can not afford to open and maintain requisite minimum balance in regular savings bank account hence, are deprived off banking services. The Reserve Bank of India advised the banks to open savings bank account of such people with zero balance providing basic facilities. Initially such account termed as "**No frill**" account but now it is known as Basic Savings Bank Deposit Account **(BSBDA).** As a part of financial inclusion concept basic savings bank account is provided to the vulnerable group of the society to provide them banking services.

Features of BSBDA:

1. Zero minimum balance requirement.
2. Basic ATM – Debit Card is issued.
3. Banks allow certain number of deposits and withdrawals in a month.
4. An individual of 18 years and above is eligible for opening BSBDA.
5. Can be opened with full KYC
6. Can be opened with incomplete KYC which must be updated within a year's period.
7. Premium banking services are not attached to this account.

Best Example of BSDBDA is PMJDY Account: (Pradhan Mantri Jan Dhan Account)

बचत बैंक जमा खाता:

1. बचत बैंक जमा खाता खोलने का उद्देश्य सीमित लेनदेन के लिए धन जमा करना या एकत्र करना है।
2. चेक या अन्यथा से पैसे निकाल सकते हैं और उपयोगिता बिल, बीमा प्रीमियम और गैर-व्यावसायिक भुगतान जैसे बुनियादी भुगतान भी कर सकते हैं।
3. त्रैमासिक या छोटी अवधि (आरबीआई निर्देश) पर देय दैनिक शेष (जमा) पर ब्याज अर्जित करते हैं।

बचत बैंक जमा खाते के प्रकार:-

1. नियमित बचत बैंक जमा खाता:

   उचित केवाईसी दस्तावेज़ प्रदान करने पर, बैंक प्रारंभिक जमा राशि के साथ नियमित बचत बैंक खाता खोलने के लिए ग्राहकों के अनुरोध पर कार्रवाई करते हैं। ग्राहकों को एक निश्चित न्यूनतम या औसत शेष राशि बनाए रखना आवश्यक है।

   बैंक ग्राहकों को उनकी आवश्यकताओं के अनुसार नियमित बचत बैंक खाते के विभिन्न प्रकार प्रदान कर रहे हैं। उत्पाद प्रकार के अनुसार नकद जमा, नेट बैंकिंग, कहीं भी बैंकिंग और अन्य सेवाएँ जैसी सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। हम इन वेरिएंट को एयू बैंक के सेविंग बैंक वेरिएंट के माध्यम से समझ सकते हैं।

मूल बचत बैंक जमा खाता: (बीएसबीडीए)।

समाज के निम्न आय वर्ग/कमजोर वर्ग के लोग नियमित बचत बैंक खाता खोलने और उसमें अपेक्षित न्यूनतम शेष राशि बनाए रखने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए वे बैंकिंग सेवाओं से वंचित रह जाते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों को ऐसे लोगों को बुनियादी सुविधाएं प्रदान करते हुए जीरो बैलेंस पर बचत बैंक खाता खोलने की सलाह दी। प्रारंभ में ऐसे खाते को "नो फ्रिल" खाता कहा जाता था, लेकिन अब इसे बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट अकाउंट (बीएसबीडीए) के रूप में जाना जाता है। वित्तीय समावेशन अवधारणा के एक भाग के रूप में समाज के कमजोर समूह को बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करने के लिए बुनियादी बचत बैंक खाता प्रदान किया जाता है।

बीएसबीडीए की विशेषताएं:

1. शून्य न्यूनतम शेष राशि की आवश्यकता।
2. बेसिक एटीएम - डेबिट कार्ड जारी किया जाता है।
3. बैंक एक महीने में निश्चित संख्या में जमा और निकासी की अनुमति देते हैं।
4. 18 वर्ष और उससे अधिक का व्यक्ति बीएसबीडीए खोलने के लिए पात्र है।
5. यह खाता फुल केवाईसी के साथ खोला जा सकता है
6. यह खाता अपूर्ण केवाईसी के साथ भी खोला जा सकता है जिसे एक वर्ष की अवधि के भीतर अद्यतन किया जाना चाहिए।
7. प्रीमियम बैंकिंग सेवाएँ इस खाते से जुड़ी नहीं हैं।

बीएसडीबीडीए का सबसे अच्छा उदाहरण पीएमजेडीवाई खाता है: (प्रधानमंत्री जन धन खाता)

CURRENT DEPOSIT ACCOUNT:

Current Deposit is no cost deposit for the banks because no interest is payable on such deposit. The customers can do large number of transactions in current accounts and suitable product for business operations. Banks may also prescribe schedule of charges for number of transactions and cash deposits as per account variant. Overdraft facility / casual overdraft are allowed by the banks to their good customers and earn interest. A good current account base is profitable for the banks. The features of current deposit accounts can be understood easily comparing it to savings bank product:-

चालू जमा खाता:

चालू जमा बैंकों के लिए कोई लागत जमा नहीं है क्योंकि ऐसी जमा पर कोई ब्याज देय नहीं है। ग्राहक चालू खातों में बड़ी संख्या में लेनदेन कर सकते हैं और व्यवसाय संचालन के लिए उपयुक्त उत्पाद बना सकते हैं। बैंक खाता प्रकार के अनुसार लेनदेन की संख्या और नकद जमा के लिए शुल्क की अनुसूची भी निर्धारित कर सकते हैं। बैंकों द्वारा अपने अच्छे ग्राहकों को ओवरड्राफ्ट सुविधा/आकस्मिक ओवरड्राफ्ट की अनुमति दी जाती है और ब्याज कमाया जाता है। एक अच्छा चालू खाता आधार बैंकों के लिए लाभदायक है। चालू जमा खातों की विशेषताओं को बचत बैंक उत्पाद से तुलना करके आसानी से समझा जा सकता है:-

Difference between savings bank account and current account:

1. Savings accounts are suitable to build emergency funds, whereas current accounts facilitate regular business transactions.
2. Unlike a saving account, current accounts do not have any limit on monthly transactions.
3. You need to maintain a relatively higher minimum balance in a current account than a savings account.
4. A saving account is suitable for individuals, whereas a current account caters to business organisations.
5. Savings Account offers interest rates ranging between 0.50% to 7.25% whereas a current account does not provide any interest.
6. Current account Variants of Au Bank: Slide-4 Slide 4

बचत बैंक खाते और चालू खाते के बीच अंतर:

1. बचत खाते आपातकालीन निधि बनाने के लिए उपयुक्त हैं, जबकि चालू खाते नियमित व्यावसायिक लेनदेन की सुविधा प्रदान करते हैं।
2. बचत खाते के विपरीत, चालू खाते में मासिक लेनदेन पर कोई सीमा नहीं होती है।
3. आपको बचत खाते की तुलना में चालू खाते में अपेक्षाकृत अधिक न्यूनतम शेष राशि बनाए रखने की आवश्यकता है।
4. एक बचत खाता व्यक्तियों के लिए उपयुक्त है, जबकि एक चालू खाता व्यावसायिक संगठनों की जरूरतों को पूरा करता है।
5. बचत खाता 0.50% से 7.25% के बीच ब्याज दर प्रदान करता है जबकि चालू खाता कोई ब्याज नहीं देता है।
6. एयू बैंक के चालू खाते के प्रकार: स्लाइड-4

Fixed Deposit / Term Deposit

Fixed deposit is an investment option for earning better return on bank deposits. Banks give higher rate of interest on fixed deposits compared to savings bank deposit. Term or fixed deposits are accepted by banks for a certain period / term i.e. minimum of 7 days and maximum of 10 years. Interest on such deposits is paid with quarterly rests. Fixed deposit is paid on expiry of term i.e. on maturity date.

A term or Fixed deposit Receipt contains: Issue Date, Principal Amount, Period, Rate of Deposit, Maturity Amount and Maturity Date. Depositor can get payment of fixed / term deposit before

maturity date. However pre-payment penalty generally 1% is deducted from the applicable interest rate payable for the run period.

सावधि जमा / अवधि जमा

बैंक जमा पर बेहतर रिटर्न अर्जित करने के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट एक निवेश विकल्प है। बचत बैंक जमा की तुलना में बैंक सावधि जमा पर अधिक ब्याज दर देते हैं। सावधि या फिक्स्ड डिपॉजिट बैंकों द्वारा एक निश्चित अवधि/अवधि के लिए स्वीकार किए जाते हैं यानी न्यूनतम 7 दिन और अधिकतम 10 वर्ष। ऐसी जमाओं पर ब्याज का भुगतान त्रैमासिक आधार पर किया जाता है। सावधि जमा का भुगतान अवधि की समाप्ति पर यानी परिपक्वता तिथि पर किया जाता है।

सावधि या अवधि जमा रसीद में शामिल हैं: जारी करने की तारीख, मूल राशि, अवधि, जमा की दर, परिपक्वता राशि और परिपक्वता तिथि। जमाकर्ता परिपक्वता तिथि से पहले सावधि/अवधि जमा का भुगतान प्राप्त कर सकता है। हालाँकि पूर्व-भुगतान जुर्माना आम तौर पर जारी अवधि के लिए देय लागू ब्याज दर से 1% काटा जाता है।

Types of Fixed / Term Deposits:

1. Normal / Traditional Fixed Deposits

   a. Deposit money for a fixed tenure.

   b. Tenure can range from 7 days to 10 years.

   c. Interest rates higher than a normal savings account

   d. Interest is paid monthly / quarterly/ half yearly as per request of the depositor. However rate of interest is discounted in case of monthly option as default rate remains payable quarterly.

सावधि/अवधि जमा के प्रकार:

1. सामान्य/पारंपरिक सावधि जमा

   a. एक निश्चित अवधि के लिए पैसा जमा करें।

   b. कार्यकाल 7 दिन से लेकर 10 वर्ष तक हो सकता है।

   c. सामान्य बचत खाते की तुलना में ब्याज दरें अधिक होती हैं।

   d. जमाकर्ता के अनुरोध के अनुसार ब्याज का भुगतान मासिक / त्रैमासिक / अर्धवार्षिक किया जाता है। हालाँकि मासिक विकल्प के मामले में ब्याज दर में छूट दी जाती है क्योंकि डिफ़ॉल्ट दर तिमाही देय रहती है।

It is suitable for the pensioners for receiving interest income monthly/ quarterly.

2. Cumulative Fixed Deposits (Reinvestment Plan)

   a. Customer can deposit lump-sum amount for a fixed term viz. minimum 7 days and maximum 10 years period.

   b. Quarterly compounded Interest and principal (Maturity Amount) is paid on maturity date.

   c. Helps substantially grow savings of the depositor.

यह पेंशनभोगियों के लिए मासिक/त्रैमासिक ब्याज आय प्राप्त करने के लिए उपयुक्त है।

2. संचयी सावधि जमा (पुनर्निवेश योजना)

a. ग्राहक एक निश्चित अवधि के लिए एकमुश्त राशि जमा कर सकता है। न्यूनतम 7 दिन और अधिकतम 10 वर्ष की अवधि।

b. त्रैमासिक चक्रवृद्धि ब्याज और मूलधन (परिपक्वता राशि) का भुगतान परिपक्वता तिथि पर किया जाता है।

c. जमाकर्ता की बचत को काफी हद तक बढ़ाने में मदद करता है।

Senior Citizen Fixed Deposits:

Applicable for individuals aged 60 years and above.

Senior citizens are eligible for special rates. All other features are as per product i.e.

The customer can choose for receiving monthly / quarterly interest or interest plus principal on maturity date.

वरिष्ठ नागरिक सावधि जमा:

60 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए लागू।

वरिष्ठ नागरिक विशेष दरों के पात्र हैं। अन्य सभी सुविधाएँ उत्पाद के अनुसार हैं।

ग्राहक परिपक्वता तिथि पर मासिक/त्रैमासिक ब्याज या ब्याज और मूलधन प्राप्त करना चुन सकता है।

Tax Savings Fixed Deposits:

The customers who want to get tax exemption on investment in fixed deposit can choose this product. Salient features of the product are enumerated as under:

1. Investment up to Rs.1.50 lakh is eligible for exemption from income during the Financial Year.
2. There shall be lock-in period of Five Years. The customer can not withdraw such amount before completion of Five years.
3. Allow only one time lump-sum investment.
4. Interest earned on such deposit is taxable.
5. No loan can be granted on such deposits.

कर बचत सावधि जमा:

जो ग्राहक फिक्स्ड डिपॉजिट में निवेश पर टैक्स छूट पाना चाहते हैं, वे इस उत्पाद को चुन सकते हैं। उत्पाद की मुख्य विशेषताएं निम्नानुसार गिनाई गई हैं:

1. वित्तीय वर्ष के दौरान 1.50 लाख रुपये तक का निवेश आय से छूट के लिए पात्र है।
2. पाँच साल की लॉक-इन अवधि होगी। ग्राहक पाँच साल पूरे होने से पहले इतनी रकम नहीं निकाल सकता।
3. केवल एकमुश्त निवेश की अनुमति दें।
4. ऐसी जमा पर अर्जित ब्याज कर योग्य है।
5. ऐसी जमा राशि पर कोई ऋण नहीं दिया जा सकता।

Recurring Savings Deposit Account:

This product is suitable for the individuals having monthly earnings can save and earn interest on FD rates. People generally plan savings through this product to meet a goal like purchasing a vehicle, to meeting expenses towards social events like marriage etc.

1. A fixed sum every month is deposited in the account for a pre-decided period maximum 120 months and minimum 6 months.
2. Principal and interest quarterly compounded is paid on maturity date.
3. Pre-Mature withdrawal is allowed with 1% penalty on applicable interest rate.
4. Loan up to 80-90 % is allowed carrying rate of interest 2% above the interest rate of FD.
5. Standing instructions / mandate can be registered in savings bank account / current account with a bank for deducting.

Note: Banks allow loans against all fixed deposit products except “Tax-Savings FD”. Interest on such loan is generally charged 2% above the rate of interest on deposit against which loan is considered. Loan amount can be considered up to 80-90% of FD value at the time of granting such loan.

आवर्ती बचत जमा खाता:

यह उत्पाद उन व्यक्तियों के लिए उपयुक्त है जिनकी मासिक आय बचत कर सकती है और एफडी दरों पर ब्याज कमा सकते हैं। लोग आम तौर पर वाहन खरीदने, शादी जैसे सामाजिक कार्यक्रमों के खर्चों को पूरा करने जैसे लक्ष्य को पूरा करने के लिए इस उत्पाद के माध्यम से बचत की योजना बनाते हैं।

1. खाते में पूर्व-निर्धारित अवधि अधिकतम 120 महीने और न्यूनतम 6 महीने के लिए, हर महीने एक निश्चित राशि जमा की जाती है।
2. मूलधन और ब्याज का तिमाही चक्रवृद्धि भुगतान परिपक्वता तिथि पर किया जाता है।
3. लागू ब्याज दर पर 1% जुर्माने के साथ समय से पहले निकासी की अनुमति है।
4. 80-90% तक के ऋण पर एफडी की ब्याज दर से 2% अधिक ब्याज लेने की अनुमति है।
5. कटौती के लिए किसी बैंक के बचत बैंक खाते/चालू खाते में स्थायी निर्देश/आदेश पंजीकृत किया जा सकता है।

नोट: बैंक "टैक्स-सेविंग एफडी" को छोड़कर सभी सावधि जमा उत्पादों पर ऋण की अनुमति देते हैं। ऐसे ऋण पर ब्याज आम तौर पर उस जमा राशि पर ब्याज की दर से 2% अधिक लिया जाता है, जिसके विरुद्ध ऋण पर विचार किया जाता है। ऐसे ऋण देते समय ऋण राशि को एफडी मूल्य का 80-90% तक माना जा सकता है।

Principles of lending: We know that banks are custodian of the public money and bound to repay principal and interest to each depositor on demand or otherwise. The banks being commercial organizations acceptdeposits from the public for onward lending with appropriate NIM (Net Interest Margin) to earn profits. To protect the interest of all the stake holders, banks lend money keeping in view certain principles of lending. These may be described as under: -

1. Safety: The foremost principle is ensuring the safety of the money lent. This involves assessing the borrower's ability to repay the loan. Banks look at the borrower's financial stability, credit history, and the security or collateral offered.

2. Liquidity: Banks must ensure that loans can be converted back into cash as needed. This means not all bank funds are tied up in long-term loans, allowing the bank to meet withdrawal demands.

3. Profitability: Banks are businesses that need to make a profit. Therefore, the interest and fees charged on loans should lead to a profitable operation, covering the costs of funds, bank operations, and risks.

4. Purpose: Loans should be granted for a specific, productive purpose. This means evaluating the reason for the loan and its potential to enhance the borrower's ability to repay. Loans should not finance speculative activities that pose high risk.

5. Diversification: Risk can be minimized through diversification of the loan portfolio. This means spreading out loans across different sectors, geographic regions, and borrowers to avoid concentration in any one area that could lead to large losses.

6. Security: Loans should be backed by adequate security or collateral, which provides a form of protection for the bank if the borrower defaults. The value and liquidity of the security are carefully evaluated.

7. Suitability: The loan amount and terms should be suitable for the purpose and repayment capacity of the borrower. This includes considering the borrower's income, financial commitments, and economic conditions.

8. Customer Relationship: Building a long-term relationship with customers can be beneficial. Loyal customers who have a strong track record with the bank may receive more favorable terms based on their history.

9. Regulatory Compliance: Lending practices must comply with all relevant laws and regulations to avoid legal issues and penalties. This includes adhering to fair lending practices and privacy laws.

10. Documentation: Proper documentation of all loan transactions is essential. This includes the application, assessment documents, loan agreement, repayment schedule, and any guarantees or collateral arrangements.

ऋण देने के सिद्धांत: हम जानते हैं कि बैंक जनता के पैसे के संरक्षक हैं और प्रत्येक जमाकर्ता को माँग या अन्यथा मूलधन और ब्याज चुकाने के लिए बाध्य हैं। वाणिज्यिक संगठन होने के नाते बैंक मुनाफा कमाने के लिए उचित एनआईएम (शुद्ध ब्याज मार्जिन) के साथ आगे ऋण देने के लिए जनता से जमा स्वीकार करते हैं। सभी हितधारकों के हितों की रक्षा के लिए, बैंक ऋण देने के कुछ सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए धन उधार देते हैं। इन्हें निम्नानुसार वर्णित किया जा सकता है: -

1. सुरक्षा (Safety): ऋण देने का प्रमुख सिद्धांत धन की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसमें ऋण लेने वाले की चुकौती करने की क्षमता का मूल्यांकन करना शामिल है।

2. तरलता (Liquidity): बैंकों को यह सुनिश्चित करना होता है कि ऋण को जरूरत पड़ने पर नकदी में परिवर्तित किया जा सके।

3. लाभप्रदता (Profitability): बैंकों को लाभ कमाने की जरूरत है, इसलिए ऋण पर लगाए गए ब्याज और शुल्क लाभदायक होने चाहिए।

4. उद्देश्य (Purpose): ऋण किसी विशिष्ट, उत्पादक उद्देश्य के लिए दिया जाना चाहिए।

5. विविधता (Diversification): ऋण पोर्टफोलियो को विविध बनाना जोखिम को कम कर सकता है।

6. सुरक्षा (Security): ऋणों को पर्याप्त सुरक्षा या गिरवी के साथ दिया जाना चाहिए।

7. उपयुक्तता (Suitability): ऋण की राशि और शर्तें ऋण लेने वाले की क्षमता और उद्देश्य के अनुरूप होनी चाहिए।

8. ग्राहक संबंध (Customer Relationship): ग्राहकों के साथ दीर्घकालिक संबंध बनाना फायदेमंद हो सकता है।

9. नियामक अनुपालन (Regulatory Compliance): ऋण प्रथाओं को सभी संबंधित कानूनों और विनियमों का पालन करना चाहिए।

10. दस्तावेजीकरण (Documentation): सभी ऋण लेन-देन का उचित दस्तावेजीकरण आवश्यक है।

CREDIT BUREAUS IN INDIA: Tracking Loan repayment History

There are 4 Credit Bureaus in India:

1. CIBIL: Credit Information Bureau (India) Limited
2. CRIF High Mark
3. Equifax
4. Experian

But Score provided by CIBIL and CRIF High Mark greater use in India.

1. Score ranges from 300 to 900
2. Ideal Score: 750 for quick approval of loans and poor score 300

भारत में क्रेडिट ब्यूरो: चुकाने वाले के लेन-देन पर नजर रखना

भारत में 4 क्रेडिट ब्यूरो हैं:

1. सिबिल: क्रेडिट इंफॉर्मेशन ब्यूरो (इंडिया) लिमिटेड
2. सीआरआईएफ हाई मार्क
3. इक्विफैक्स
4. अनुभववादी

लेकिन CIBIL और CRIF द्वारा प्रदान किया गया स्कोर भारत में उच्च उपयोग को चिह्नित करता है।

1. स्कोर 300 से 900 तक होता है
2. आदर्श स्कोर: ऋण की त्वरित स्वीकृति के लिए 750 और खराब स्कोर 300

Personal Loans: (Appropriate CIBIL Score 750 and above)

Most banks offer personal loans to their customers and the money can be used for any expense like paying a bill or purchasing a new television. Generally, these loans are unsecured loans. The lender or the bank needs certain documents like proof of assets, proof on income, etc. before approving the personal loan amount. The borrower must have enough assets or income to repay the loan. In case of personal loans, the application is 1 or 2 pages in length. The borrower gets to know about the denial or approval of the loan within a couple of days.

You must remember that the rate of interest associated with these loans can be on the higher side. The tenure of these loans is not that long. So, if you borrow a big amount, it can be difficult for you to repay without planning your finances properly.

Personal loans can prove to be of great help when you wish to take a small amount loan and repay it as soon as possible.

Process: Appraisal > FOIR calculation > ID & Address Proof > Personal Guarantee.

1. **Salaried Customer:** Income Proof > Salary Slips, Account Statement
2. **Self Employed (SE):** 3Years ITR with Income Calculation

व्यक्तिगत ऋण: (उपयुक्त सिबिल स्कोर 750 और अधिक)

अधिकांश बैंक अपने ग्राहकों को व्यक्तिगत ऋण प्रदान करते हैं और पैसे का उपयोग किसी भी खर्च के लिए किया जा सकता है जैसे बिल का भुगतान करना या नया टेलीविजन खरीदना। आम तौर पर, ये ऋण असुरक्षित ऋण होते हैं। व्यक्तिगत ऋण राशि को मंजूरी देने से पहले ऋणदाता या बैंक को कुछ दस्तावेजों जैसे संपत्ति का प्रमाण, आय पर प्रमाण आदि की आवश्यकता होती है। ऋण चुकाने के लिए उधारकर्ता के पास पर्याप्त संपत्ति या आय होनी चाहिए। व्यक्तिगत ऋण के मामले में, आवेदन 1 या 2 पृष्ठों का होता है। ऋण लेने से इनकार या मंजूरी के बारे में उधारकर्ता को कुछ दिनों के भीतर पता चल जाता है।

आपको याद रखना चाहिए कि इन ऋणों से जुड़ी ब्याज दर ऊंची हो सकती है। इन लोन की अवधि इतनी लंबी नहीं होती. इसलिए, यदि आप बड़ी रकम उधार लेते हैं, तो आपके लिए अपने वित्त की ठीक से योजना बनाए बिना चुकाना मुश्किल हो सकता है।

जब आप छोटी राशि का ऋण लेना चाहते हैं और उसे जल्द से जल्द चुकाना चाहते हैं तो पर्सनल लोन बहुत मददगार साबित हो सकता है।

प्रक्रिया: मूल्यांकन > एफओआईआर गणना > आईडी और पता प्रमाण > व्यक्तिगत गारंटी।

1. **वेतनभोगी ग्राहक:** आय प्रमाण > वेतन पर्ची, खाता विवरण

2. **स्व-रोज़गार (एसई):** आय गणना के साथ 3 साल का आईटीआर

Credit Card / Credit Card Loan

When you are using a credit card, you must understand that you will have to repay for all the purchases you make at the end of the billing cycle. Credit cards are accepted almost everywhere, even when you are travelling abroad. As it is one of the most convenient ways to pay for the things you buy, it has become a popular loan type.

In order to apply and avail a credit card, all you need to do is fill out a simple application form provided by the card issuer. You can also choose to apply for a credit card online. These plastic cards come with great rewards and benefits. It's the loan where you need to repay on time but you are also handsomely rewarded for using it.

Obviously, there are pitfalls associated with this type of loan. You must understand that there is a high amount of interest on the amounts you borrow on your credit card. If you do not pay your credit card bills on time, the interests will keep piling and might be difficult for you to manage your finances with the rising outstanding balance. But if you use a credit card wisely and clear all your debts on time, it can definitely prove to your best friend in your pocket.

You can request for EMIs outstanding amount for repayment convenience.

क्रेडिट कार्ड/क्रेडिट कार्ड ऋण

जब आप क्रेडिट कार्ड का उपयोग कर रहे हैं, तो आपको यह समझना चाहिए कि बिलिंग चक्र के अंत में आपको अपनी सभी खरीदारी के लिए भुगतान करना होगा। क्रेडिट कार्ड लगभग हर जगह स्वीकार किए जाते हैं, यहाँ तक कि जब आप विदेश यात्रा कर रहे हों। चूँकि यह आपके द्वारा खरीदी गई चीजों के लिए भुगतान करने का सबसे सुविधाजनक तरीका है, यह एक लोकप्रिय ऋण प्रकार बन गया है।

क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन करने और उसका लाभ उठाने के लिए, आपको बस कार्ड जारीकर्ता द्वारा प्रदान किया गया एक सरल आवेदन पत्र भरना होगा। आप क्रेडिट कार्ड के लिए ऑनलाइन आवेदन करना भी चुन सकते हैं। ये प्लास्टिक कार्ड बड़े पुरस्कार और लाभ के साथ आते हैं। यह वह ऋण है जिसे आपको समय पर चुकाना होता है लेकिन इसका उपयोग करने पर आपको अच्छा इनाम भी मिलता है।

जाहिर है, इस प्रकार के ऋण से जुड़े नुकसान भी हैं। आपको यह समझना चाहिए कि आप अपने क्रेडिट कार्ड से जो रकम उधार लेते हैं उस पर बहुत अधिक ब्याज लगता है। यदि आप समय पर अपने क्रेडिट कार्ड बिलों का भुगतान नहीं करते हैं, तो ब्याज बढ़ता रहेगा और बढ़ती बकाया राशि के साथ आपके लिए अपने वित्त का प्रबंधन करना मुश्किल हो सकता है। लेकिन अगर आप क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल समझदारी से करें और अपने सभी कर्ज समय पर चुका दें, तो यह निश्चित रूप से आपकी जेब में आपका सबसे अच्छा दोस्त साबित हो सकता है।

आप पुनर्भुगतान की सुविधा के लिए बकाया ईएमआई राशि के लिए अनुरोध कर सकते हैं।

Home Loans:

When you wish to purchase a house, applying for a home loan can help you to a great extent. It provides you the financial support and helps you buy the house for yourself and your loved ones.

घर के लिए ऋण:

जब आप घर खरीदना चाहते हैं तो होम लोन के लिए आवेदन करने से आपको काफी हद तक मदद मिल सकती है। यह आपको वित्तीय सहायता प्रदान करता है और आपको अपने और अपने प्रियजनों के लिए घर खरीदने में मदद करता है।

Purposes:

1. Purchase of House / Flat
2. Purchase of Plot and Construction of House
3. Construction of House
4. Renovation / Repairing of Existing

उद्देश्य:

1. मकान/फ्लैट की खरीद
2. प्लॉट की खरीद और घर का निर्माण
3. मकान का निर्माण
4. मौजूदा मकान का नवीनीकरण/मरम्मत

Process:

Check Credit Scores: (CIBIL) Credit Information Bureau of (India) Limited

Check property papers, get opinion of bank's approved advocate.

Check Value of property / estimate for construction value / purchase value through

Agreement between purchaser and seller – Sale Letter

Decided Loan amount: Applied and eligible.

1. Appraisal > Income Documents > ID & Address Proof

Salaried: Salary Slips (Three Months), Account Statement

Self Employed (SE): 3- ITRs, with income calculations

प्रक्रिया:

क्रेडिट स्कोर जांचें: (CIBIL) क्रेडिट इंफॉर्मेशन ब्यूरो ऑफ (इंडिया) लिमिटेड

संपत्ति के कागजात जाँचे, बैंक के अनुमोदित वकील की राय लें।

संपत्ति का मूल्य/निर्माण मूल्य का अनुमान/खरीद मूल्य की जाँच करें।

क्रेता और विक्रेता के बीच समझौता - बिक्री पत्र।

निर्धारित ऋण राशि: लागू और पात्र।

1. मूल्यांकन > आय दस्तावेज़ > आईडी और पता प्रमाण

वेतनभोगी: वेतन पर्ची (तीन महीने), खाता विवरण

स्व-रोज़गार (एसई): 3- आईटीआर, आय गणना के साथ

Features:

1. Secured Loan by way of Mortgage of Property, preferably EMI
2. Rate of Interest: Presently ranges from 7% to 9.50%
3. Repayment Period 5-30 Years in EMIs (Equated Monthly Installments)

विशेषताएँ:

1. संपत्ति के गिरवी रखने के माध्यम से सुरक्षित ऋण, अधिमानतः EMI
2. ब्याज दर: वर्तमान में 7% से 9.50% तक है
3. ईएमआई में पुनर्भुगतान अवधि 5-30 वर्ष (समान मासिक किस्तें)

Auto Loans: Four-Wheeler Loans and Two-Wheeler Loans

Process: Check CIBIL, Income proofs, calculate FOIR, Get Performa invoice, Quotation

Approve loan and pay directly to dealer/ supplier, ensure hypothecation charge in RC.

ऑटो ऋण: चार-पहिया ऋण और दो-पहिया ऋण

प्रक्रिया: सिबिल, आय प्रमाण जांचें, एफओआईआर की गणना करें, परफॉर्मा चालान, कोटेशन प्राप्त करें

ऋण स्वीकृत करें और सीधे डीलर/आपूर्तिकर्ता को भुगतान करें, आरसी में हाइपोथिकेशन शुल्क सुनिश्चित करें।

Car Loan:

Buying a car can definitely instill a great sense of joy and happiness in you. A car will remain as your asset and it is going to be one of the biggest investments that you make. A car loan helps you to pave the path between your dream of owning a car and actually buying your car. Since credit reports are crucial for judging your eligibility towards any loan, it is good to have a high credit score when you apply for a car loan. The loan application will get approved easily and you might get a lower rate of interest associated with the loan.

Car loans are secured loans. If you fail to pay your instalments, the lender will take back your car and recover the outstanding debt.

कार ऋण:

कार ख़रीदना निश्चित रूप से आपमें खुशी और खुशी की भावना पैदा कर सकता है। एक कार आपकी संपत्ति बनी रहेगी और यह आपके द्वारा किए गए सबसे बड़े निवेशों में से एक होगी। कार ऋण आपके कार खरीदने के सपने और वास्तव में कार खरीदने के बीच का मार्ग प्रशस्त करने में आपकी मदद करता है। चूँकि किसी भी ऋण के लिए आपकी पात्रता का आँकलन करने के लिए क्रेडिट रिपोर्ट महत्वपूर्ण होती है, इसलिए जब आप कार ऋण के लिए आवेदन करते हैं तो उच्च क्रेडिट स्कोर होना अच्छा होता है। ऋण आवेदन आसानी से स्वीकृत हो जाएगा और आपको ऋण से जुड़ी ब्याज दर कम मिल सकती है।

कार ऋण सुरक्षित ऋण हैं। यदि आप अपनी किश्तों का भुगतान करने में विफल रहते हैं, तो ऋणदाता आपकी कार वापस ले लेगा और बकाया ऋण की वसूली करेगा।

Two-Wheeler Loan:

A two-wheeler is pretty essential in today's world. May it be going for a long ride or a busy road in a city – bikes and scooters help you to commute conveniently. A two-wheeler loan is easy to apply for. This amount you borrow under this loan type helps you to purchase a two-wheeler. But if you do not pay the instalments on time and clear your debt, the insurer will take your two-wheeler to recover the loan amount.

दोपहिया वाहन ऋण:

आज की दुनिया में दोपहिया वाहन बहुत जरूरी है। चाहे आप लंबी यात्रा पर जा रहे हों या किसी शहर की व्यस्त सड़क पर - बाइक और स्कूटर आपको आसानी से यात्रा करने में मदद करते हैं। दोपहिया वाहन ऋण के लिए आवेदन करना आसान है। इस प्रकार के ऋण के तहत आपके द्वारा उधार ली गई राशि आपको दोपहिया वाहन खरीदने में मदद करती है। लेकिन अगर आप समय पर किश्तें नहीं चुकाते हैं और अपना कर्ज नहीं चुकाते हैं, तो बीमाकर्ता ऋण राशि वसूलने के लिए आपका दोपहिया वाहन ले लेगा।

Small Business Loans:

Small Business Loans are loans that are provided to small scale and medium scale businesses to meet various business requirements.

लघु व्यवसाय ऋण:

लघु व्यवसाय ऋण वे ऋण हैं जो छोटे और मध्यम स्तर के व्यवसायों को विभिन्न व्यावसायिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रदान किए जाते हैं।

Objectives:

1. Loan for purchasing of equipment / machinery / furniture and fixtures etc.
2. To meet requirement of funds for expansion of existing business.
3. To meet working capital requirement. (Explain working capital)

उद्देश्य:

1. उपकरण/मशीनरी/फर्नीचर और फिक्स्चर आदि की खरीद के लिए ऋण।
2. मौजूदा व्यवसाय के विस्तार के लिए धन की आवश्यकता को पूरा करना।
3. कार्यशील पूँजी की आवश्यकता को पूरा करना। (कार्यशील पूँजी की व्याख्या करें)

Features:

1. Repayment period - 12 Months To 60 Months
2. Charge is created over acquired / purchased asset hence secured loans.

विशेषताएँ:

1. ऋण चुकाने की अवधि - 12 महीने से 60 महीने
2. चार्ज अर्जित/खरीदी गई संपत्ति पर बनाया गया है इसलिए सुरक्षित ऋण।

Process:

1. Check CIBIL, the applicant / prospective borrower must not be a defaulter of any bank / financial institution.
2. **For New Project:** Filling in Loan Application and providing detail of the proposed business in case of new project.
3. **Viability check:** Check experience, estimated investment and return, verify valuation of proposed security for the proposed loan amount, capital contribution by the applicant etc.
4. **For expansion of existing business:** Last three years ITRs along with profit and loss account, balance sheet and detail of proposed expansion.
5. Disbursement of loan amount ensure proper utilization of loan amount.

प्रक्रिया:

1. CIBIL की जाँच करें: आवेदक/भावी उधारकर्ता किसी भी बैंक/वित्तीय संस्थान का डिफॉल्टर नहीं होना चाहिए।

2. नई परियोजना के लिए: ऋण आवेदन भरना और नई परियोजना के मामले में प्रस्तावित व्यवसाय का विवरण प्रदान करना,

3. व्यवहार्यता जाँच: अनुभव, अनुमानित निवेश और रिटर्न की जाँच करना, प्रस्तावित ऋण राशि के लिए प्रस्तावित सुरक्षा का मूल्यांकन सत्यापित करना, आवेदक द्वारा पूँजी योगदान वगैरह।

4. मौजूदा व्यवसाय के विस्तार के लिए: लाभ और हानि खाते, बैलेंस शीट और प्रस्तावित विस्तार के विवरण के साथ पिछले तीन वर्षों के आईटीआर।

5. ऋण राशि का वितरण: ऋण राशि का उचित उपयोग सुनिश्चित करता है।

Education Loan:

An education loan is availed specifically to finance educational requirements i.e. fee and other expenditure for completion of different courses from College / Universities in India and abroad.

Loan is grated with the Co-Applicant – Father, Mother or other guardian

Courses: Graduation- B.A., B. Com, B.Sc. Etc. Post Graduation- Masters and Phd. Professional Courses like Engineering, Medical, Agriculture, Veterinary, Law, Dental, Management, architecture, Computer etc.

शिक्षा ऋण:

शिक्षा ऋण विशेष रूप से भारत और विदेश में कॉलेज/विश्वविद्यालयों से विभिन्न पाठ्यक्रमों को पूरा करने के लिए शैक्षिक आवश्यकताओं यानी शुल्क और अन्य खर्चों को पूरा करने के लिए लिया जाता है।

ऋण सह-आवेदक - पिता, माता या अन्य अभिभावक के साथ दिया जाता है

पाठ्यक्रम: स्नातक- बी.ए., बी.कॉम, बी.एससी. आदि। पोस्ट ग्रेजुएशन- मास्टर्स और पीएचडी। व्यावसायिक पाठ्यक्रम जैसे इंजीनियरिंग, मेडिकल, कृषि, पशु चिकित्सा, कानून, दंत चिकित्सा, प्रबंधन, वास्तुकला, कंप्यूटर आदि।

Loan amount: No Collateral Security loans up to Rs.4Lakh >4 Lakh to 7.50 Lakh 70% collateral and >7.50 lakh full collateral.

Differs from bank to bank.

Some bank require no collateral even for higher amount of loan for study in a premier institute.

Rate of Interest: Presently ranges from 6.50 % to 12%

Repayment Term: 5 to 15 years with a moratorium of 6 month to One year after completion of course.

ऋण राशि: रु. 4 लाख तक कोई संपार्श्विक सुरक्षा नहीं, ऋण > 4 लाख से 7.50 लाख 70% संपार्श्विक और > 7.50 लाख पूर्ण संपार्श्विक।

अलग-अलग बैंकों में अलग-अलग होता है.

कुछ बैंकों को किसी प्रमुख संस्थान में अध्ययन के लिए अधिक राशि के ऋण के लिए भी किसी गारंटी की आवश्यकता नहीं होती है।

ब्याज दर: वर्तमान में 6.50% से 12% तक है

पुनर्भुगतान अवधि: पाठ्यक्रम पूरा होने के बाद 6 महीने से एक वर्ष की रोक के साथ 5 से 15 वर्ष।

Gold Loan:

A gold loan can be used to raise cash to meet emergency or planned financial requirements, such as business expansion, education, medical emergencies, agricultural expenses, etc.

स्वर्ण ऋण:

गोल्ड लोन का उपयोग आपातकालीन या नियोजित वित्तीय आवश्यकताओं, जैसे व्यवसाय विस्तार, शिक्षा, चिकित्सा आपात स्थिति, कृषि व्यय आदि को पूरा करने के लिए नकदी जुटाने के लिए किया जा सकता है।

Features:

1. Secured Loan where Gold Jewelry is pledged as security or collateral security.
2. Weight and purity is certified by the approved valuer of the lender bank.
3. Loan amount is considered on the basis of market value of net weight of the jewelry.
4. 60 to 75% loan of the value of gold ornaments is granted keeping adequate margin as per individual bank's policy.
5. Repayment period can be fixed 6 months to 12 months in a bullet repayment i.s. lump sum payment.
6. Loan can be renewed paying interest, processing charges and deficit amount if any due to reduction of value of gold.
7. Jewelry can be returned to the customer after paying full amount of the loan.

8. Only gold ornaments are accepted for loan. (Gold coins issued by Banks can be accepted up to 50 grams only in a loan along with other jewelry). N other metal, gems or stones are considered.

विशेषताएँ:

1. सुरक्षित ऋण जहाँ सोने के आभूषण को सुरक्षा या संपार्श्विक सुरक्षा के रूप में गिरवी रखा जाता है।
2. वजन और शुद्धता ऋणदाता बैंक के अनुमोदित मूल्यांकनकर्ता द्वारा प्रमाणित की जाती है।
3. ऋण राशि आभूषण के शुद्ध वजन के बाजार मूल्य के आधार पर मानी जाती है।
4. व्यक्तिगत बैंक की नीति के अनुसार पर्याप्त मार्जिन रखते हुए सोने के आभूषणों के मूल्य का 60 से 75% ऋण दिया जाता है।
5. बुलेट पुनर्भुगतान में पुनर्भुगतान की अवधि 6 महीने से 12 महीने तय की जा सकती है।
6. सोने के मूल्य में कमी के कारण ब्याज, प्रसंस्करण शुल्क और घाटे की राशि का भुगतान करते हुए ऋण का नवीनीकरण किया जा सकता है।
7. लोन की पूरी रकम चुकाने के बाद ग्राहक को आभूषण वापस किए जा सकते हैं।
8. ऋण के लिए केवल सोने के आभूषण ही स्वीकार किये जाते हैं। (बैंकों द्वारा जारी सोने के सिक्के अन्य आभूषणों के साथ ऋण में केवल 50 ग्राम तक ही स्वीकार किए जा सकते हैं)। एन अन्य धातु, रत्न या पत्थर पर विचार किया जाता है।

Loan against Fixed Deposits:

- Banks allow loan to the customer against fixed deposit placed with them.
- A margin of 10% is kept on the value of fixed deposit (Principal + Interest up topreceding completed quarter (FY).
- Interest is charged 2% above the interest payable on the fixed deposit against which loan is applied.
- Loan can be paid anytime during the currency of fixed deposit, the Bank removesit's lien over the FDR and return it to the customer.
- If loan is not repaid by the customer, bank will adjust loan + interest on maturity date of fixed deposit and rest (Excess) amount is paid to the customer.
- Banks can consider loan against third party Fixed Deposit with the consent of the fixed deposit holder. Generally margin is kept higher on FD value (25%).

All the guidelines issued Reserve Bank of India are followed by the banks.

सावधि जमा पर ऋण:

- बैंक अपने पास रखी सावधि जमा पर ग्राहक को ऋण की अनुमति देते हैं।
- सावधि जमा के मूल्य पर 10% का मार्जिन रखा जाता है (मूलधन + पिछली पूर्ण तिमाही (वित्तीय वर्ष) तक का ब्याज)।
- जिस सावधि जमा पर ऋण लागू किया गया है उस पर देय ब्याज से 2% अधिक ब्याज लिया जाता है।
- ऋण का भुगतान सावधि जमा की अवधि के दौरान कभी भी किया जा सकता है, बैंक एफडीआर पर अपना ग्रहणाधिकार हटा देता है और इसे ग्राहक को वापस कर देता है।

- यदि ग्राहक द्वारा ऋण नहीं चुकाया जाता है, तो बैंक सावधि जमा की परिपक्वता तिथि पर ऋण + ब्याज को समायोजित करेगा और शेष (अतिरिक्त) राशि ग्राहक को भुगतान की जाएगी।
- बैंक सावधि जमा धारक की सहमति से तीसरे पक्ष की सावधि जमा के विरुद्ध ऋण पर विचार कर सकते हैं। आम तौर पर एफडी मूल्य (25%) पर मार्जिन अधिक रखा जाता है।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी सभी दिशानिर्देशों का बैंकों द्वारा पालन किया जाता है।

Agriculture Loans:

1. Term Loans: Purposes- Land Development, Farm Mechanisation, Irrigation, Plantation etc.
2. Short Term Loans: Crop Loans, KCC (Kisan Credit Cards)

कृषि ऋण:

1. सावधि ऋण: उद्देश्य- भूमि विकास, कृषि मशीनीकरण, सिंचाई, वृक्षारोपण आदि।

2. अल्पावधि ऋण: फसल ऋण, केसीसी (किसान क्रेडिट कार्ड)

Agriculture Allied Activity:

Purpose- Fisheries, Animal Husbandry such as Cow Unit, She Buffaloes Unit, She Goats / Sheep, Poultry Farm etc.

Collateral Security: Agriculture Land / Structure.

Prime Security: Hypothecation to Financed Asset like Tractor, Farm equipment, Crop, Animal / Birds etc.

Repayment: Monthly / Quarterly / Half Yearly / Yearly instalments

Interest Application: Yearly compounded. Can be calculated half yearly but not included in principal outstanding for the purpose of interest calculation.

Non-Funded Credit product

Bank Guarantee (BG):

Banks issue guarantee on behalf of it's customers where ina promise is made by the bank to third party to compensate loss or damage if any caused to him / her due to non - fulfillment of terms and conditions of agreement entered in between the bank's customer and third party.

Example: A contractor of road construction gets a tender from UIT for construction of road in a XYZ UIT Colony with the condition that after completion of road, the contractor will be responsible for maintenance of road at least for three years and seeks bank guarantee of a scheduled bank for 10 Lakh with the clause that the beneficiary (UIT) can encase the guarantee in case of failure to fulfill the promise by the contractor.

If there is no default by the contractor, guarantee will expire on completion of guarantee period. This remains a non- funded credit where bank has not given money to the customer (Contractor) and earned commission for issuance of such guarantee. However, if there is a

default by the customer in fulfilling terms of the agreement entered into between the parties (UIT and Contractor), the UIT will get encase the guarantee to get payment of Rs.10 Lakh from the Bank. Now the non -funded credit has been converted to funded. The bank will open a loan account of the contractor (Customer) and start process for recovery of amount paid under the guarantee.

कृषि संबद्ध गतिविधि:

उद्देश्य- मत्स्य पालन, पशुपालन जैसे गाय, भैंस, बकरी/भेड़, पोल्ट्री फार्म आदि।

संपार्श्विक सुरक्षा: कृषि भूमि/संरचना।

प्रधान सुरक्षा: ट्रैक्टर, कृषि उपकरण, फसल, पशु/पक्षी आदि जैसी वित्तपोषित संपत्ति का दृष्टिबंधक।

चुकौती: मासिक / त्रैमासिक / अर्धवार्षिक / वार्षिक किश्तें

ब्याज आवेदन: वार्षिक चक्रवृद्धि। अर्धवार्षिक गणना की जा सकती है लेकिन ब्याज गणना के उद्देश्य से इसे मूल बकाया में शामिल नहीं किया जाता है।

गैर-वित्तपोषित क्रेडिट उत्पाद

बैंक गारंटी (बीजी):

बैंक अपने ग्राहकों की ओर से गारंटी जारी करते हैं, जहाँ बैंक द्वारा तीसरे पक्ष को बैंक के ग्राहक और तीसरे पक्ष के बीच हुए समझौते के नियमों और शर्तों को पूरा न करने के कारण होने वाली हानि या क्षति की भरपाई करने का वादा किया जाता है।

उदाहरण: सड़क निर्माण के एक ठेकेदार को XYZ UIT कॉलोनी में सड़क निर्माण के लिए UIT से इस शर्त के साथ टेंडर मिलता है कि सड़क के पूरा होने के बाद, ठेकेदार कम से कम तीन साल तक सड़क के रखरखाव के लिए जिम्मेदार होगा और बैंक गारंटी चाहता है। 10 लाख के लिए अनुसूचित बैंक इस शर्त के साथ कि लाभार्थी (यूआईटी) ठेकेदार द्वारा वादा पूरा करने में विफलता के मामले में गारंटी जब्त कर सकता है।

यदि ठेकेदार द्वारा कोई चूक नहीं की गई है, तो गारंटी अवधि पूरी होने पर गारंटी समाप्त हो जाएगी। यह एक गैर-वित्त पोषित क्रेडिट है जहाँ बैंक ने ग्राहक (ठेकेदार) को पैसा नहीं दिया है और ऐसी गारंटी जारी करने के लिए कमीशन अर्जित नहीं किया है। हालाँकि, यदि पार्टियों (यूआईटी और ठेकेदार) के बीच हुए समझौते की शर्तों को पूरा करने में ग्राहक द्वारा कोई चूक होती है, तो यूआईटी बैंक से 10 लाख रुपये का भुगतान प्राप्त करने की गारंटी लेगा। अब गैर-निधिक ऋण को वित्तपोषित में बदल दिया गया है। बैंक ठेकेदार (ग्राहक) का ऋण खाता खोलेगा और गारंटी के तहत भुगतान की गई राशि की वसूली के लिए प्रक्रिया शुरू करेगा।

Try Exercise on App

Multiple Choice Questions:

1. What does KYC stand for?

a) Know Your Cost
b) Know Your Customer
c) Keep Your Currency
d) Keep Your Credentials

2. Which of the following is NOT a commonly required KYC document?

a) Passport
b) Voter's Identity Card
c) Library Card
d) Aadhaar Card

3. Which type of deposit is considered a no-cost or low-cost deposit for banks?

a) Term Deposit
b) Savings Bank Deposit

c) Current Deposit d) Fixed Deposit

4. What is the primary purpose of a Basic Savings Bank Deposit Account (BSBDA)?

a) High-interest savings

b) No balance requirement

c) Providing banking services to low-income groups

d) Exclusive premium banking services

5. Which type of deposit account does not earn interest?

a) Current Deposit b) Savings Bank Deposit

c) Fixed Deposit d) Term Deposit

6. What is the abbreviation for Demand and Time Liability in banking?

a) DTL b) D&T c) DTB d) DTA

7. Which of the following is NOT a commonly accepted proof of identity for KYC purposes?

a) Bank Pass Book bearing photograph b) Electricity Bill

c) Aadhaar Card d) Passport

8. What does CASA stand for in banking terminology?

a) Current and Savings Account

b) Cost-effective Account Services

c) Customer Acquisition and Savings Account

d) Current and Time Deposits

9. What type of account typically requires a minimum balance to be maintained?

a) Current Deposit b) Savings Bank Deposit

c) Fixed Deposit d) Term Deposit

10. Which document is NOT typically required for income proof?

a) Income Tax Returns b) Salary Slips

c) Bank Statement d) Birth Certificate

Answer the following questions:

1. Explain the significance of KYC in the banking sector and its role in preventing fraudulent activities.
2. Discuss the features and benefits of a Basic Savings Bank Deposit Account (BSBDA) in promoting financial inclusion.
3. Compare and contrast the features of current deposit and savings bank deposit accounts.
4. Explain the process of opening a bank account online and its advantages.
5. Discuss the importance of retail liability products for banks and their role in funding operations.